

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

सत्र - १

परीक्षा : दिसंबर - २०२४

विषय : आधुनिक गद्य : उपन्यास एवं कहानी (HDS - 101)

दि.: ०२/१२/२०२४

कुल अंक : १००

समय : दो. २.०० से दो. ५.००

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

- प्र. १ 'विपात्र' उपन्यास अपने आप में अनूठा और परंपरा से हटकर लिखा गया उपन्यास है- स्पष्ट कीजिए।
- प्र. २ 'विपात्र' उपन्यास मनुष्य का अकेलापन, अजनबीयत, और टूटते हुए जीवनमूल्यों का दस्तावेज है - सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ३ 'विपात्र' उपन्यास के चित्रों की विशेषताओं को विशद कीजिए।
- प्र. ४ 'रस प्रिया' कहानी के कथानक को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए, उसकी भाषिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
- प्र. ५ 'एक शुरुआत' कहानी में चित्रित सागर यात्रा का वर्णन कीजिए।
- प्र. ६ 'अकेली' कहानी की सोमाबुआ के जीवन की व्यथा और दर्द के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।
- प्र. ७ गीतारहस्य के कर्मयोगशास्त्र के दर्शन एवं जीवन में उस के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
- प्र. ८ धर्म-अधर्म का निर्णय एवं जीवन में उसके संतुलन के पक्ष के बारे में अपने विचार लिखिए।
- प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए।
- १) सिर्फ सचाई आदमी को कुछ नहीं दे पाती, सचाई को सामने लाने के लिए भी जोर और ताकद की जरूरत होती है।
- २) एकांत मेरा रक्षक है, वह मुझे त्राण देता है।
- ३) न आकाश से पानी बरसता है, न जमीन से बीज फूटता है।
- ४) उन के जो कर्म अच्छे हैं, उन्हीं का अनुसरण करें, बाकी सब छोड़ दें।
- प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।
- १) 'विपात्र' उपन्यास का शीर्षक
- २) भोलाबाबू
- ३) 'भेडिए' कहानी की प्रतीकात्मकता
- ४) कर्म और अकर्म